

## वीर सैनिक

तेनात रहते हैं सीमा पर  
अपना सीना ताने  
शुक्र नहीं खाते  
ये हैं देश के दीवाने

गद्गदारी ही नहीं सुफती हैं  
देश के विप्लव में  
हैं कुषनि जान भी  
धरती माँ के सम्झ में

क्योंकि इस देश की  
माँ का दर्जा मिलता है  
हर फूल इस वतन में  
उनके चरणों में रिपलता है

कड़्यों ने दी हैं कुषनि  
धरती माँ के वास्तो  
मिट दिया था जो भी आया  
इस देश के रास्ते

क्योंकि यह धरती उनकी  
जान से ज्यादा प्यारी थी  
अहिलों अपनी जान दे कर  
इसकी नजर उतारी थी

शहीद होकर भी वो  
अमर हो गया कबूतरी  
इसे वीर शहीदों को  
हम सलाम करते हैं

शरीर में पानी नहीं  
रक्त में खानी होना चाहिए  
इस शहीदों की तरह जो जन्म दैसके  
इसा हिन्दुस्तानी होना चाहिए।